सफलता ||| अग्नाशय बीमारी से पीड़ित बच्ची का लीलावती अस्पताल में सफलता पूर्वक इलाज

एंजियोग्राफी से सांगली की बच्ची को मिला जीवनदान

■ मुंबई (सं). दुर्लभ अग्नाशय की बीमारी से पीड़ित महाराष्ट्र के सांगली की रहने वाली 13 वर्षीय लड़की का लीलावती अस्पताल में सफलतापूर्वक इलाज किया गया हैं. यह लड़की अग्नाशय के स्यूडोसिस्ट में गैस्ट्रो डुओडेनल धमनी में स्यूडोएन्युरिज्म से पीड़ित थी. एंजियोग्राफी द्वारा बच्ची का इलाज किया गया है. इलाज के कारण लड़की का दर्द कम हुआ है. लीलावती अस्पताल के बालरोग सर्जन डॉ. राजीव रेडकर के नेतृत्व में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. अनिरुद्ध फडके, बालरोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक उग्रा, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शेठ, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मिनहाज शेख ने मिलकर लड़की का इलाज किया हैं. मरीज अदिती कांबले पिछले एक सप्ताह से तीव्र पेट दर्द हो रहा था. दो साल पहले लड़की को अग्नाशय की बीमारी का निदान हुआ था. गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के पास उसका इलाज शुरू था, लेकिन पेट दर्द कम नहीं हो रहा था. कुछ दिन बाद असहनीय दर्द और उल्टी होने के कारण माता-पिता उसे मुंबई में इलाज के लिए लेकर आए. यह बालरोग सर्जन डॉ. राजीव रेडकर को दिखाया. तुरंत इलाज होने के कारण बच्ची को नया जीवन मिला है.

1 सप्ताह के बाद मरीज की सेहत में तेजी से सुधार

डॉ. राजीव रेडकर ने कहा कि इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट के मदद से एन्यूरिज्म तक पहुंचने और उसे कुंडलित करने के लिए उन्नत एंजियोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया गया, जिससे सक्रिय रक्तस्राव को सफलतापूर्वक रोका गया और एन्यूरिज्म को नष्ट किया गया. गैस्ट्रोडोडेनल धमनी (जीडीए) एन्यूरिज्म के एंजियोग्राफिक एम्बोलिजेशन नामक यह प्रक्रिया एक घंटे तक चली. एक सप्ताह के बाद मरीज की सेहत में सुधार देखकर उसे डिस्चार्ज दिया गया.

बेटी की तकलीफ से हम काफी डर गए थे

■ मरीज की मां ने कहा कि बेटी की तकलीफ लेकर हम काफी डर गए थे, लेकिन लीलावती अस्पताल के डॉ राजीव रेडकर और उनकी टीम ने तुरंत इलाज करने के कारण हमारे बेटी को नई जिंदगी मिली हैं.

■ बेटी को नई जिंदगी देने के लिए हम डॉक्टर का आभार व्यक्त करते हैं.

अग्नाशय के स्यूडोसिस्ट में लीक होना गंभीर समस्या

लीलावती अस्पताल के बाल रोग सर्जन डॉ. राजीव रेडकर ने कहा कि अस्पताल पहुंचने पर मरीज असहनीय पेट दर्द के कारण परेशान थी. उसके पेट के सीटी स्कैन में एक स्यूडोसिस्ट (अग्नाशय में तरल पदार्थ से भरा द्रव्यमान) और स्यूडोसिस्ट के भीतर गैस्ट्रो-डुओडेनल धमनी लीक हो रहा. जो विशेष रूप से बच्चों में एक दुर्लभ और गंभीर स्थिति है. मरीज को आनुवांशिक कारणों से यह स्थिति झेलनी पड़ी, क्योंकि उसके पिता भी अग्नाशय की बीमारी से जूझ रहे थे. अग्नाशयशोथ के ठीक होने के बाद उसे अग्नाशय के स्यूडोसिस्ट और अग्नाशयशोथ (अग्नाशय की सूजन और सूजन) का पता चला. अग्नाशय के स्यूडोसिस्ट में लीक हो रहे स्यूडोएन्यूरिज्म की घटना एक बहुत ही दुर्लभ समस्या है. अग्न्याशय के कार्य में कमी के कारण विकास अवरुद्ध हो गया और पेट में तीव्र दर्द होने लगा था.